लगातार बना हुआ है और हमारी एजेंसियॉं भी हमें समय-समय पर आतंकी कार्रवाइयों की चेतावनी देती रहती हैं। उपसभापति जी, 403 पाक नागरिकों का अचानक गायब होना, उनका संबंध आतंकी संगठन से होना व उनका किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए काम करना, यह किसी बड़े आतंकी घटना की याद दिला रहा है।यह बहुत ही संगीन मामला है और यह केन्द्र सरकार की नाकामी को भी दर्शाता है। महोदय, मैं जानना चाहती हूं कि ये गायब पाक नागरिक देश में कितने दिनों से रह रहे थे, कौन लोग हैं और कहीं।S। के एजेंट तो नहीं हैं, कहीं ये पाक एजेंसियों के जासूस तो नहीं हैं? इनका इरादा क्या है, ये किस मकसद से देश मे रह रहे हैं और अचानक कहां गायब हो गए, क्यों गायब हो गए? जब हमारी जांच एजेंसियों को आशंका थी कि इन पाक नागरिकों की आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता है, तो क्या हमारी जांच एजेंसियां आतंकी कार्रवाई का इंतजार कर रही थीं कि आतंकवादी कार्रवाई करें और तब हम उन्हें पकड़ें? मेरा सवाल यह है कि आशंका के बावजूद भी सरकार हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठी है? सरकार और जांच एजेंसियों की ऐसी कार्रवाई से आतंक पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। आतंकवाद से जुड़ी ऐसी गंभीर घटनाओं पर सरकार की यह सुस्त चाल चिंता की बात है।

महोदय, मैं सरकार से यह अपेक्षा करती हूं कि सरकार अविलम्ब प्रभावी कदम उठाए और देश में छिपे इन पाक नागरिकों को ढूंढे, पकड़े और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे, जिससे कि समय रहते किसी भी आतंकी अनहोनी को रोका जा सके।

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं अपने आपको इनसे एसोसिएट करता हूं।

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं अपने आपको इनसे एसोसिएट करता हूं।

श्रीमती हेमा मालिनी (नाम-निर्देशित): सर, मैं भी अपने आपको इनसे एसोसिएट करती हूं।

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं अपने आपको इनसे एसोसिएट करता हूं।

Police firing in Mau (Uttar Pradesh)

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद में कल पुलिस फायरिंग के द्वारा मारे गए चार व्यक्तियों के बारे में ...**(व्यवधान)**..

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, यह प्रदेश सरकार के ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री वीर सिंह: अगर स्टेट का हर मुद्दा उठाने लग जाएं तो ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप सुन तो लीजिए। मैम्बर ने नोटिस दिया है ...**(व्यवधान)**...

श्री नन्द किशोर यादव: पहले मुद्दा उठाने तो दो, इसमें कुछ गलत नहीं है। ...**(व्यवधान)**... पहले सुन तो लो। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... आप उनको बोलने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री वीर सिंह : कोई घटना भी नहीं होने दोगे आप उत्तर प्रदेश में क्या? ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक (उत्तर प्रदेश): यह गलत ...**(व्यवधान)**...

श्री गंगा चरण (उत्तर प्रदेश): सर, यह गलत बात है ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आप बैठिए। देखिए, मैम्बर का राइट है कि वह जो कहना चाहते हैं ...**(व्यवधान)**... आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री वीर सिंह: लेकिन, हर घटना का राजनीतिकरण ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप भी मत कीजिए, वे भी नहीं करेंगे। मैम्बर जिस ईश्यू पर बोलते हैं, नोटिस देने के बाद बोलते हैं। अगर कल आप नोटिस दें और आपके विषय में कोई इस तरह से बोले तो आपको कैसा लगेगा। ...**(व्यवधान)**... आप बैठिए।

श्री वीर सिंह: लेकिन अगर कोई गलत बात ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You are not supposed to intervene. ...*(Interruptions)*...

श्री नन्द किशोर यादव: सर, मेरा समय अब से शुरु कराएं।

श्री उपसभापति: इनका समय दोबारा शुरू कीजिए।

श्री नन्द किशोर यादव: सर, मऊ जनपद अल्पसंख्यक बहुल जनपद है और बनारसी साड़ी का सबसे बड़ा केन्द्र है। अगर किसी कारण से मऊ जनपद में अशांति पैदा होती है तो उसका असर पूरे उत्तर प्रदेश में पड़ता है।

सर, यह कल की एक घटना है। कल एक सीमेंट से लदा ट्रक आजमगढ़ जनपद से मऊ जनपद में प्रवेश कर रहा था। आजमगढ़ और मऊ जनपद की जो सीमा है, वहां पर मऊ जनपद की पुलिस थी, उसने ट्रक ड्राइवर को हाथ दिया, उसने ट्रक रोकने का काम किया। उससे पुलिस वालों ने कुछ डिमांड की, उसने ...**(व्यवधान)**...

श्री वीर सिंह: सर, यह सच्चाई नहीं है। ये वहां थे क्या? ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप सच्चाई के बारे में बोलने वाले आप कौन होते हैं? ...**(व्यवधान)**... आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... आप बैठिए, यह सही बात नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री गंगा चरण: ये mislead कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: यह सही बात नहीं है, बिल्कुल गलत बात है। आप क्यों ऐसा करते हैं।

श्री **नन्द किशोर यादव**: सर, इसके बाद उस ट्रक ड्राइवर ने उन पुलिस वालों की बात सुनने का काम किया। पुलिस वालों ने कुछ और डिमांड की, ट्रक ड्राइवर ...**(व्यवधान)**...

श्री वीर सिंह : *

श्री गंगा चरण : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... आप proceeding रोक रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... यह सही नहीं है, आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...

श्री वीर सिंह : *

श्री गंगा चरण : *

श्री कमाल अख्तर (उत्तर प्रदेश) : *

श्री नन्द किशोर यादव : आप हमारी पूरी बात सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री कमाल अख्तर : *

श्री वीर सिंह : *

श्री गंगा चरण : *

श्री उपसभापति : आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... आप दो-तीन मैम्बर पूरे हाऊस को ...**(व्यवधान)**... Please sit down. ...*(Interruptions)*...

**Not recorded.*

श्री नन्द किशोर यादव: सर, इसके बाद ट्रक भागने लगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, सही मायने में जो घटना घटी है, लोग मारे गए हैं, उसके बारे में ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : मेरा कहना है कि आप भी मेंबर हैं, आपको भी हक है किसी issue को उठाने का ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक: *

श्री उपसभापति: पूरा हाउस सुनने को तैयार है, तो आप क्यों नहीं ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक: *

श्री नन्द किशोर यादव: सर, संरक्षण दीजिए ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : एक मेंबर क्या पूरे हाउस को रोक सकता है ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक : *

श्री उपसभापति : आपकी बात क्यों सुनें? आप क्यों कहते हैं कि वे गलत हैं? आप कौन होते हैं यह कहने वाले कि वे जो कह रहे हैं, वह गलत है। वे विषय उठा रहे हैं, यह सरकार का काम है कि वह देखे कि यह सही है या नहीं। उनको चेयरमैन साहब ने बोलने का हक दिया है, आपको उन्हें रोकने का हक नहीं है ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक: *

श्री उपसभापति: आप उन्हें रोक रहे हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक: *

श्री उपसभापति: देखिए, आप बैठ जाइए ...**(व्यवधान)**... आपको किसने अधिकार दिया है, यह कहने का कि वे जो कह रहे हैं, वह गलत है। आपको किसी ने अधिकार नहीं दिया है। अगर इस तरह से हाउस डिस्टर्ब होता रहा, then the Chair has to take a serious note of the hon. Members who are disturbing the House.

श्री नन्द किशोर यादव : सर, इसके बाद ट्रक का ड्राईवर ट्रक को ले जाने लगा। पुलिस का एक सिपाही ट्रक के पीछे से चढ़ गया और उसने संबंधित थाने को सूचना देने का काम किया कि इस ट्रक पर अवैध सामान लदा हुआ है और यह तेजी से भाग रहा है। संबंधित थाने के पुलिस वाले वहां आ गए। जो ट्रक का ड्राईवर था, वह घबरा गया और इससे ट्रक अनियंत्रित हो गया तथा 3 लोग उस ट्रक के नीचे आकर मर गए। इसके बाद वहां की जनता, मऊ जनपद की जनता आक्रोश में आ गई और सड़क पर आ गई। वहां के लोग प्रदर्शन करने लगे, लाशों की मांग करने लगे, उस ड्राईवर की मांग करने लगे। इस पर पुलिस ने पहले लाठीचार्ज किया, इसके बाद उसने सीधे जनता को निशाना बनाया। मऊ में माइनॉरिटी की संख्या सबसे ज्यादा रहती है, उस पर पुलिस ने फॉयरिंग करने का काम किया और 5 लोगों की मौत ...**(व्यवधान)**... उत्तर प्रदेश में जनता को निशाना बनाने...(व्यवधान)...

SHRI GANGA CHARAN: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... आप बैठिए ...**(व्यवधान)**... अगर वे गलत बयान दे रहे हैं तो आप प्रिविलेज नोटिस दीजिए, आपको हक है। अगर कोई मेंबर हाउस को गलत कह रहा है, तो आपको यह अधिकार है कि आप प्रिविलेज नोटिस दें, आप नोटिस दीजिए, हाउस को डिस्टर्ब मत कीजिए।

---

*Not recorded.

श्री नन्द किशोर यादव: सर, पुलिस की फॉयरिंग में 5 लोगों की मौत हुई, जिनका आज वहां पर पोस्टमार्टम हो रहा है ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: अब आप समाप्त कीजिए, आपको दोबारा टाइम दिया गया है।

श्री **नन्द किशोर यादव**: इसके अलावा जो 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, उनको बनारस रेफर किया गया है। पुलिस अत्याचार की यह घटना लगातार हो रही है — चंदौली में 4 लोगों को मारने का काम किया, मऊ में 5 लोगों को मारने का काम किया। उत्तर प्रदेश की पुलिस निरंकुश हो गई है, सरकार का उस पर कोई नियंत्रण नहीं है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग कर रहा हूं कि इस मामले में वह हस्तक्षेप करे और उत्तर प्रदेश की पुलिस जो निरंकुश हो गई है, उसको नियंत्रित करने का काम करे।

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Sir, I associate myself with this subject. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You just associate yourself with it. Don't speak on it. ...*(Interruptions)*... Please don't speak. ...*(Interruptions)*...

SHRI KAMAL AKHTAR: Sir, I associate myself with it. ...*(Interruptions)*...

श्री गंगा चरण: उपसभापति जी, मुझे स्पष्टीकरण देने का मौका दीजिए ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: स्पष्टीकरण देने का मौका नहीं है, रूल्स में नहीं है ...**(व्यवधान)**... मैंने कहा है कि आप नोटिस दीजिए ...**(व्यवधान)**...

Shortage of pulses in the country

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं बड़े ही महत्वपूर्ण विषय पर यहां यह प्रश्न उठा रहा हूं। इस समय देश भर में उपभोक्ता वस्तुओं के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़े हैं, विशेषकर खाद्यान्न वस्तुओं के दाम बढ़े हैं, सब्जी के दाम तो आसमान छूने लगे हैं। दाल एक-दो सप्ताह पहले जहां 78 रुपए किलो या 80 रुपए किलो थी, आज वह 100 रुपए किलो हो गई है। जो बहुत महत्वपूर्ण चीजें ध्यान में आई हैं, जो कुछ चीजें सामने प्रस्तुत की गई हैं, उनमें कोलकाता बंदरगाह के खिदीरपुर डॉक के जिस हिस्से में दाल मंगाई गई थी और इंटरनेशनल मार्केट से बकायदे तीन साल पहले यानी 2007 में 15 लाख टन दाल मंगाई गई थी। वहां से दाल आ भी गई और दाल आ जाने के बाद बोरे में वहां पड़ी रही, वहां कोई नहीं गया। वहां दाल सड़ती रही, लोग पैरों से उसे रौंदते रहे, लेकिन वहां से दाल उठाई नहीं गई। लोग बता रहे हैं कि यह जूतियों में बंट गई। हालत ऐसी निर्माण हो गई कि जिस सरकार ने दाल को मंगाया, उस सरकार ने, उस विभाग ने यह ध्यान देने की कोई आवश्यकता नहीं महसूस की कि सही मायने में दाल का आयात किया गया है, काफी मात्रा में किया गया है और उसको देखा जाए, उसको बाजार में लाया जाए, आम उपभोक्ता को उपलब्ध कराया जाए, इसकी चिंता नहीं की गई। इससे हालात ऐसे पैदा हो गए कि जब कुछ पत्रकार बंधुगण गए, तो लोगों को लगा कि वहां कुछ हो रहा है। वहां पर लोग गए। वहां दाल इस प्रकार से पैरों के नीचे पड़कर पिस गई थी, सड़ गई थी और पानी पड़ने के कारण इतनी सड़ांध हो रही थी कि वहां पर नाक को दबाकर जाना पड़ा। उसको देखने के बाद लोगों को लगने लगा कि यह क्या है? जब खोल कर देखा गया, तो पता लगा कि यह दाल है। यह दाल 2007 में मंगाई गई थी। अगर इस प्रकार की प्रशासनिक उदासीनता बनी रही और इस ढंग से काम करने का हिसाब चलता रहा, तो निश्चित रूप से आम उपभोक्ता और आम आदमी की जो बात कही जा रही है, आम आदमी को जो राहत देने की बात कही जा रही है, यह केवल * है, यह केवल मिथ्याचारिता है और यह आम आदमी की जिंदगी के साथ * करने की साजिश चल रही है। जिनके द्वारा या जिन अधिकारियों के द्वारा इस तरह की हरकत की गई है, जिसके कारण आज मंहगाई आसमान छूने लगी है, ऐसे लोगों के विरुद्ध बड़ी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने सामान्य उदासीनता नहीं बरती है, बल्कि उन्होंने ऐसी उदासीनता बरती है, जो

*Not recorded.